CAMPUS NOTES

CHARACTER BUILDING CAMP

Sonepat: A character building and Vedic consciousness camp for female students concluded at Kanya Gurukul Senior Secondary School, Khanpur Kalan; under Bhagat Phool Singh Women's University. The valedictory session was presided over by Vice-Chancellor Prof Sudesh, with Gohana DCP Bharti Dabas as the chief guest. Addressing the students, DCP Dabas encouraged them to maintain their enthusiasm and joy, noting that they had been given a golden opportunity. She urged them to dedicate themselves to their chosen fields and said, "The more hard work you do, the greater the success." She also highlighted pressing concerns such as mobile addiction and rising substance abuse. "There is no U-turn once a person becomes addicted to drugs. Parents must communicate regularly with their children," she advised. In her presidential address, Prof Sudesh said, "There is no dearth of energy in our daughters; now it is being directed properly."

मानव जीवन को संस्कारित करना बहुत जरूरी : प्रो. सुदेश

- महिला विवि में संस्कृत एवं भारतीय संस्कृति विषय पर दो दिवसीय व्याख्यान एवं पुरस्कार कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ›› गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि), खानपुर कलां के इंस्टिट्यूट ऑफ हायर लर्निंग के संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में संस्कृत एवं भारतीय संस्कृति विषय पर दो दिवसीय व्याख्यान एवं पुरस्कार कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सुदेश रहीं।

मुख्य वक्ता हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला के

गोहाना। सांस्कृतिक कलाकृतियों का अवलोकन करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश व डॉ. सी डी एस कौशल।

संस्कृत प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. सीडीएस कौशल ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि बिना संस्कृत के ज्ञान के देश का भविष्य सुरक्षित नहीं है। मानव जीवन दुर्लभ है। इसको संस्कारित करना बहुत जरूरी है। भारत की विशाल ज्ञान परम्परा को आत्मसात करें। डॉ कौशल ने कहा कि संस्कार विहीन विकास स्थायी नहीं होता। पहले संस्कृत के लिए ही गुरुकुल की स्थापना होती थी। उन्होंने बताया कि पुराणों में कहा गया है जो लोग धर्म का पालन नहीं करते, जिन्हे ज्ञान नहीं है, जो लोग साहित्य, संगीत एवं कला नहीं जानते उनका जीवन पशु के समान है। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में प्रतिदिन संस्कृत का प्रवेश होना चाहिए। संस्कृत का विश्वघोष करना है। डॉ. कौशल ने कहा कि महिला विवि में अनुशासन व ऊर्जा अपार है। यहां हर वर्ष संस्कृत शिविर लगना चाहिए। संस्कृत भाषा के प्रचार व प्रसार के लिए काम करें। प्राचार्य डॉ. वीणा ने कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुषिता ने प्राप्त किया, दूसरे स्थान पर पलक और तीसरे स्थान पर आभा रही। कार्यक्रम में प्रतियोगिता की विजेता छात्राओं को पुरस्कृत भी किया गया।

संस्कृत हमारी धरोहर है

कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि संस्कृत केवल भाषा मात्र नहीं है बल्कि हमारी धरोहर है। महिला विश्वविद्यालय 1936 में अपनी स्थापना से ही संस्कृत व संस्कृति के लिए काम कर रहा है। इस क्षेत्र में गुरुकुल परम्परा बहुत पुरानी है। गुरुकुल संस्थान त्याग और तपस्या से बना है। कुलपति ने कहा कि संस्कृत वैज्ञानिक भाषा है।

जेआरएफ परीक्षा उतीर्ण करने वाली मेधावी छात्राएं अलंकृत

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि), खानपुर कलां में यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा 2025 में उत्तीर्ण छात्राओं के लिए विवि के आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सुदेश ने की। प्रो. सुदेश ने कहा कि परीक्षा उत्तीर्ण करना छात्राओं के लिए केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है अपितु संस्थान के लिए भी यह गौरव की बात है। छात्राओं की सफलता ने एक बार पुनः यह साबित कर दिया है कि निरंतर मेहनत और एकाग्रता से अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर चलते रहने से ही सफलता मिलती है न कि किसी शॉर्टकट से। कुलपति ने छात्राओं को अपने ज्ञान का विस्तार करने और उसे दूसरों के साथ बांटने का आह्वान किया। इससे न केवल उनके अपने ज्ञान में वृद्धि होगी बल्कि उनकी जूनियर छात्राओं को भी प्रेरणा मिलेगी। प्रो. सुदेश ने छात्राओं को रिसर्च पर ध्यान केंद्रित करने पर भी बल दिया। विवि से एमएससी और एमएससीएम करने वाली छात्रा ज्योति ने कहा कि हमारे शिक्षक इतना अच्छा पढ़ाते है कि हमें कहीं और से कोचिंग की जरूरत नहीं रही। छात्राओं ने छात्रावास में एक छोटी लाइब्रेरी की मांग रखी जिसे कुलपति ने तुरंत प्रभाव से स्वीकृति दे दी। आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. अशोक वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय की कुल 37 छात्राओं ने नेट परीक्षा उत्तीर्ण की जिसमें से 8 छात्राओं ने जेआरएफ परीक्षा पास की है। इस अवसर पर कुलपति ने उत्तीर्ण छात्राओं को प्रशंसा पत्र भी दिए। कार्यक्रम में निदेशक यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर कम्पिटेटिव एग्जाम लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. अनिल बल्हारा ने भी छात्राओं को सम्बोधित किया। इस अवसर पर सभी विभागाध्यक्ष व डीन मौजूद रहे।

गोहाना। छात्राओं को सम्मानित करते महिला कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य। फोटो : हरिभूमि

यू.जी.सी. नैट क्वालीफाई करने वाली 37 छात्राएं सम्मानित

प्राध्यापकों के साथ सम्मानित की गई छात्राएं।

(अरोड़ा)

गोहाना, 9 अगस्त (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में यू.जी.सी. नैट की जून 2025 आयोजित परीक्षा को क्वालीफाई करने वाली 37 छात्राओं को सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने की।

वी.सी. ने कहा कि यह छात्राओं के लिए केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है बल्कि संस्थान के लिए भी गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि इन छात्राओं की सफलता ने एक बार पुन: यह साबित कर दिया है कि निरंतर मेहनत और एकाग्रता से अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर चलते रहने से ही सफलता मिलती है न कि किसी शॉर्टकट से। कुलपति ने छात्राओं को अपने ज्ञान का विस्तार करने और उसे दूसरों के साथ बांटने का आह्वान किया।

छात्राओं ने छात्रावास में एक छोटी लाइब्रेरी की मांग रखी, जिसको वी.सी. ने तुरंत प्रभाव से स्वीकृति दे दी। आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. अशोक वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय की कुल 37 छात्राओं ने नैट परीक्षा उत्तीर्ण की, जिसमें से 8 छात्राओं ने जे.आर.एफ. परीक्षा पास की है।

वी.सी. ने उत्तीर्ण छात्राओं को प्रशंसा पत्र भी दिए। कार्यक्रम यूनिवर्सिटी सैंटर फॉर कॉम्पिटेटिव एग्जाम के निदेशक लैफ्टिनैंट कर्नल डॉ. अनिल बल्हारा ने भी छात्राओं को सम्बोधित किया।

स्थायी नहीं होता संस्कार विहीन विकास : डॉ. कौशल

गोहाना, 9 अगस्त (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के आई.एच.एल. के संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में 'संस्कृत एवं भारतीय संस्कृति' विषय पर हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला के तत्वावधान में आयोजित 2 दिवसीय कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश और विशिष्ट अतिथि साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला के संस्कृत प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. सी.डी. एस. कौशल रहे।

डॉ. कौशल ने कहा कि संस्कृत के ज्ञान बिना देश का भविष्य सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन दुर्लभ है। इसको संस्कारित करना बहुत जरूरी है। भारत की विशाल ज्ञान परम्परा को आत्मसात करें।

डॉ. कौशल ने कहा कि संस्कार विहीन विकास स्थायी नहीं होता। पहले संस्कृत के लिए ही गुरुकुल की स्थापना होती थी। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में प्रतिदिन संस्कृत का प्रवेश होना चाहिए। संस्कृत का विश्व घोष करना है।

प्रो. सुदेश ने कहा कि संस्कृत केवल भाषा मात्र नहीं है बल्कि हमारी धरोहर है। कॉलेज की प्रिंसीपल डॉ. वीणा ने कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम सुषिता, द्वितीय पलक और तृतीय आभा रहीं।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए वी.सी. प्रो. सुदेश। (अरोड़ा)

यू.जी.सी. नेट क्वालीफाई करने वाली छात्राएं सम्मानित

गोहाना मुद्रिका, 9 अगस्त : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में यू.जी.सी. नेट की जून 2025 आयोजित परीक्षा को क्वालीफाई करने वाली 37 छात्राओं को सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने की।

वी.सी. ने कहा कि यह छात्राओं के लिए केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है बल्कि संस्थान के लिए भी गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि इन छात्राओं की सफलता ने एक बार पुनः यह साबित कर दिया है कि निरंतर मेहनत और एकाग्रता से अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर चलते रहने से ही सफलता मिलती है न कि किसी शॉर्टकट से। कुलपति ने छात्राओं को अपने ज्ञान का विस्तार करने और उसे दूसरों के साथ बांटने का आह्वान किया। छात्राओं ने छात्रावास में एक छोटी लाइब्रेरी की मांग रखी, जिसको वी.सी. ने तुरंत प्रभाव से स्वीकृति दे दी।

आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. अशोक वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय की कुल 37 छात्राओं ने नेट परीक्षा उत्तीर्ण की जिसमें से 8 छात्राओं ने जे.आर.एफ. परीक्षा पास की है। वी.सी. ने उत्तीर्ण छात्राओं को प्रशंसा पत्र भी दिए। कार्यक्रम यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर कॉम्पिटेटिव एग्जाम के निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. अनिल बल्हारा ने भी छात्राओं को सम्बोधित किया।

पंजाब केसरी
SUN, 10 AUGUST 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

स्थायी नहीं होता संस्कार विहीन विकास : डॉ. कौशल

गोहाना, 9 अगस्त (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के आई.एच.एल. के संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में 'संस्कृत एवं भारतीय संस्कृति' विषय पर हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला के तत्वावधान में आयोजित 2 दिवसीय कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश और विशिष्ट अतिथि साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला के संस्कृत प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. सी.डी. एस. कौशल रहे।

डॉ. कौशल ने कहा कि संस्कृत के ज्ञान बिना देश का भविष्य सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन दुर्लभ है। इसको संस्कारित करना बहुत जरूरी है। भारत की विशाल ज्ञान परम्परा को आत्मसात करें।

डॉ. कौशल ने कहा कि संस्कार विहीन विकास स्थायी नहीं होता। पहले संस्कृत के लिए ही गुरुकुल की स्थापना होती थी। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में प्रतिदिन संस्कृत का प्रवेश होना चाहिए। संस्कृत का विश्व घोष करना है।

प्रो. सुदेश ने कहा कि संस्कृत केवल भाषा मात्र नहीं है बल्कि हमारी धरोहर है। कॉलेज की प्रिंसीपल डॉ. वीणा ने कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम सुषिता, द्वितीय पलक और तृतीय आभा रहीं।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए वी.सी. प्रो. सुदेश। (अरोड़ा)

पंजाब केसरी
SUN, 10 AUGUST 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

यू.जी.सी. नैट क्वालीफाई करने वाली 37 छात्राएं सम्मानित

प्राध्यापकों के साथ सम्मानित की गई छात्राएं। *(अरोड़ा)*

गोहाना, 9 अगस्त (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में यू.जी.सी. नैट की जून 2025 आयोजित परीक्षा को क्वालीफाई करने वाली 37 छात्राओं को सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने की।

वी.सी. ने कहा कि यह छात्राओं के लिए केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है बल्कि संस्थान के लिए भी गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि इन छात्राओं की सफलता ने एक बार पुन: यह साबित कर दिया है कि निरंतर मेहनत और एकाग्रता से अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर चलते रहने से ही सफलता मिलती है न कि किसी शॉर्टकट से। कुलपति ने छात्राओं को अपने ज्ञान का विस्तार करने और उसे दूसरों के साथ बांटने का आह्वान किया।

छात्राओं ने छात्रावास में एक छोटी लाइब्रेरी की मांग रखी, जिसको वी.सी. ने तुरंत प्रभाव से स्वीकृति दे दी। आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. अशोक वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय की कुल 37 छात्राओं ने नैट परीक्षा उत्तीर्ण की, जिसमें से 8 छात्राओं ने जे.आर.एफ. परीक्षा पास की है।

वी.सी. ने उत्तीर्ण छात्राओं को प्रशंसा पत्र भी दिए। कार्यक्रम यूनिवर्सिटी सैंटर फॉर कॉम्पिटेटिव एग्जाम के निदेशक लैफ्टिनैंट कर्नल डॉ. अनिल बल्हारा ने भी छात्राओं को सम्बोधित किया।